

Social Research

POLS5001: Research Methodology

डॉ० नरेन्द्र सिंह

सहायक आचार्य

राजनीति विज्ञान विभाग

महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय,

मोतिहारी, बिहार

सामाजिक अनुसन्धान का अर्थ एवं परिभाषा (Social Research- Meaning and Definition)

□ प्रत्येक विषय, अनुशासन (Discipline) या संकाय (Faculty) के विकास में उसके अपने पद्धति-शास्त्र, अनुसन्धान-प्रविधि अथवा शोध-पद्धति-विज्ञान (Research Methodology) की केन्द्रीय भूमिका होती है।

□ समाज-विज्ञानों का मूल लक्ष्य मानव-व्यवहार के बारे में निश्चित व्याख्याएँ तथा पूर्वकथन (Prediction) करना माना गया है। ज्यों-ज्यों मनुष्य-समाज की जटिलताएँ, कठिनाईयाँ एवं समस्याएँ बढ़ती जाती हैं, त्यों-त्यों एसी व्याख्याओं अथवा पूर्वकथनों की और भी अधिक आवश्यकता बढ़ती जाती है।

□ वस्तुतः एक उपयुक्त अनुसन्धान-शास्त्र के अभाव के कारण ही समाज-विज्ञान प्राकृतिक विज्ञानों से पिछड़ गए हैं और इसके अभाव में भारत क्रान्ति का शिकार हो गया है।

□ ऐसा लगता है कि तकनीकी प्रगति स्वयं मानव को ही खा जायगी। इसलिए मानव-मूल्यों को बचाना आवश्यक है और यह काय समाज-विज्ञानों के अपने पद्धति-विज्ञान को विकसित तथा उसका उपयोग करके ही किया जा सकता है।

□ सामाजिक परिदृश्य में मानवीय व्यवहार के संबंध में **गुड्डे एवं हॉट (Goode and Hatt)** ने **मेथड्स इन सोशल रिसर्च** में लिखा है कि मानवीय व्यवहार एक समाज से दूसरे समाज में इतना अधिक बदल जाता है कि उसके बारे में किसी भी प्रकार की वैज्ञानिक एवं सही भविष्यवाणी करना संभव नहीं हो पाता, जिससे मानवीय व्यवहारों की प्रकृति अनिश्चित होती है। इसलिए उसका व्यवस्थित ढंग से अध्ययन कर किसी निष्कर्ष या परिणाम पर पहुंचने के लिए शोध का प्रयोग किया जाता है।

□ **रेडमैन एवं मोरी (Redman and Mory)** ने **दा रोमांस ऑफ रिसर्च** में लिखा है, नवीन ज्ञान

प्राप्ति के व्यवस्थित पयटन को हम शोध कहते हैं। इस प्रकार शोध से अभिप्राय नवीन ज्ञान की प्राप्ति के लिए सावधानीपूर्वक जांच, पर्याप्त अवलोकन एवं वस्तु विषयक अध्ययन करना होता है। इस पद्धति के द्वारा, जो नए तथ्य प्रकाश में आते हैं, वह ज्ञान वृद्धि के लिए, तो आवश्यक होते हैं तथा साथ ही भविष्य में किए जाने वाले सौदों के लिए भी मार्गदर्शक के रूप में होते हैं। इस प्रकार नवीन तत्वों की खोज के लिए किए गए प्रयत्नों को शोध कहते हैं।

□ सामाजिक अनुसंधान एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है, वस्तुतः अनुसन्धान का उद्देश्य वैज्ञानिक प्रक्रियाओं के प्रयोग द्वारा प्रश्नों के उत्तरों की खोज करना है।

- किसी क्षेत्र विशेष में नवीन ज्ञान की खोज या पुराने ज्ञान का पुनरु परीक्षण अथवा दूसरे तरीके से विश्लेषण कर नवीन तथ्यों का उदघाटन करना शोध कहलाता है। यह एक निरन्तर प्रक्रिया है, जिसमें तार्किकता, योजनाबद्धता एवं क्रमबद्धता पायी जाती है। जब यह शोध सामाजिक क्षेत्र में होता है, तो उसे सामाजिक शोध कहा जाता है।
- प्राकृतिक एवं जीव विज्ञानों की तरह सामाजिक शोध भी वैज्ञानिक होता है क्योंकि इसमें वैज्ञानिक विधियों की सहायता से निष्कर्षों पर पहुँचा जाता है। वैज्ञानिक विधियों से यहा आशय मात्रयह है कि किसी भी सामाजिक शोध को पूर्ण करने के लिए एक तर्कसंगत वस्तुनिष्ठ व बार-बार जाँच की जा सकने वाली प्रक्रिया से गुजरना होता है

Social Research

```
graph TD; A([Social Research]) --> B([सामाजिक (Social)]); A --> C([अनुसंधान (Research)]); B --> D[Social]; C --> E[Re + Search]; D --- F[सामाजिक: समाज में भिन्न-भिन्न दृष्टिकोणों के आधार पर घटित हुई घटनाओं के क्रमबद्ध एवं व्यवस्थित अध्ययन का संबंध सामाजिक परिदृश्य से है]; E --- G[Research: Re का अर्थ होता है पुनः तथा Search का अर्थ होता है खोज। इस प्रकार Research का अर्थ होता है पुनः खोज।];
```

सामाजिक (Social)

Social

सामाजिक: समाज में भिन्न-भिन्न दृष्टिकोणों के आधार पर घटित हुई घटनाओं के क्रमबद्ध एवं व्यवस्थित अध्ययन का संबंध सामाजिक परिदृश्य से है

अनुसंधान (Research)

Re + Search

Research: Re का अर्थ होता है पुनः तथा Search का अर्थ होता है खोज।
इस प्रकार Research का अर्थ होता है पुनः खोज।

सामाजिक अनुसन्धान में समाज को मुख्य केंद्र माना जाता है तथा समाज को ही प्रयोगशाला के रूप में स्वीकार करते हैं। इस प्रकार सामाजिक अनुसन्धान से तात्पर्य उस अनुसन्धान से है, जो नित्य विभिन्न अध्ययनों एवं निष्कर्षों में विश्वसनीयता एवं प्रामाणिकता लाने के उद्देश्य एवं सामाजिक घटनाओं और क्रियाकलापों से संबंधित अर्जित ज्ञान का परिमार्जन कर नए तथ्यों की खोज का कार्य करता है।

सामाजिक अनुसन्धान को भिन्न-भिन्न विद्वानों ने निम्न प्रकार परिभाषित किया है—

- ❖ **सी०ए० मोजर (C.A. Moser) के अनुसार**, सामाजिक घटना के बारे में सर्वेक्षणों तथा नए ज्ञान प्राप्त करने के लिए व्यवस्थित प्रयास को ही शोध कहते हैं।
- ❖ **पोलिंग जंग (Polling Jang) के अनुसार** सामाजिक अनुसन्धान एक वैज्ञानिक अध्ययन है, जो तार्किक एवं व्यवस्थित पद्धतियों द्वारा नए या पुराने तत्वों को खोजने का कार्य करता है तथा उसके अनुक्रमों को अंतःसंबंधों, कारणात्मक व्यक्तियों एवं उन पर लागू होने वाली प्राकृतिक विधियों का विश्लेषण करता है।
- ❖ **गार्ड्स के अनुसार** सामाजिक अनुसन्धान किसी समुदाय में रहने वाले व्यक्तियों के मध्य विद्यमान प्रक्रियाओं की जांच है।

- ❖ **जॉन सी० मैरियम (John C. Mariam) के अनुसार** सामाजिक अनुसन्धान शोध में प्राप्त किए गए ज्ञान को एकत्रित एवं संगठित करके व्यवस्थित करने का काय करता है।
- ❖ **लुण्डबर्ग (Lundberg) के अनुसार** वैज्ञानिक शोध के आधार पर व्यवस्थित तथा वस्तुनिष्ठता के साथ ही तत्वों का वर्गीकरण सामान्योकरण तथा सत्यापन संभव होता है।
- ❖ **वाल्टर ई० स्पार एवं राहनहर्ट स्वेन्सन (Walter E. Spar and Rohanheart Swenson) के अनुसार** तथ्यों की खोज एवं जांच के लिए सावधानीपूर्वक किए गए प्रयास को ही अनुसन्धान या शोध कहते हैं।
- ❖ **मैनहीम एवं साइमन डे (Mannheim and Simon Day) ने** शोध को, जिसका लक्ष्य मानवजाति के ज्ञान की प्रगति करना है। किसी विशिष्ट विषयसामग्री की सचेत, श्रमपूर्ण एवं व्यापक गवेषणा माना है।

इस प्रकार उपरोक्त परिभाषाओं के आधार पर कहा जा सकता है कि नवीन ज्ञान की खोज की दिशा में किये गए व्यवस्थित एवं क्रमबद्ध प्रयास को अनुसन्धान कहते हैं।

सामाजिक अनुसन्धान का क्षेत्र (Scope of Social Research)

- ❖ सामाजिक अनुसन्धान का क्षेत्र असीमित तथा अनुसन्धान की सामग्री अंतहीन।
- ❖ सामाजिक घटनाओं की व्यवस्थित अध्ययन की प्रक्रिया में सहायक।
- ❖ सामाजिक संरचना में नवीन अंतर्दृष्टि के साथ-साथ संगठित समाज का परिचायक।
- ❖ वैज्ञानिक व्याख्या के साथ ही नये क्षैतिज प्रदान।
- ❖ सामाजिक अनुसन्धान में उन्नत और परीक्षण योग्य प्रक्रिया के सिद्धान्त एवं नवीन अवधारणा।
- ❖ अध्ययन के आधार पर मौजूदा सिद्धांतों को चुनौती एवं नवीन दृष्टिकोण के आकार में वृद्धि।
- ❖ नये सिद्धान्तों और अन्वेषण की तकनीकों की स्थापना।
- ❖ सामाजिक अनुसन्धान फलप्रद विचारों, कार्यप्रणाली के विकास में सकारात्मक पहल।
- ❖ सामाजिक समस्याओं पर नियंत्रण एवं समाधान की भूमिका में।
- ❖ सामाजिक अनुसन्धान से सामाजिक गतिशीलता का सकारात्मक स्वरूप।

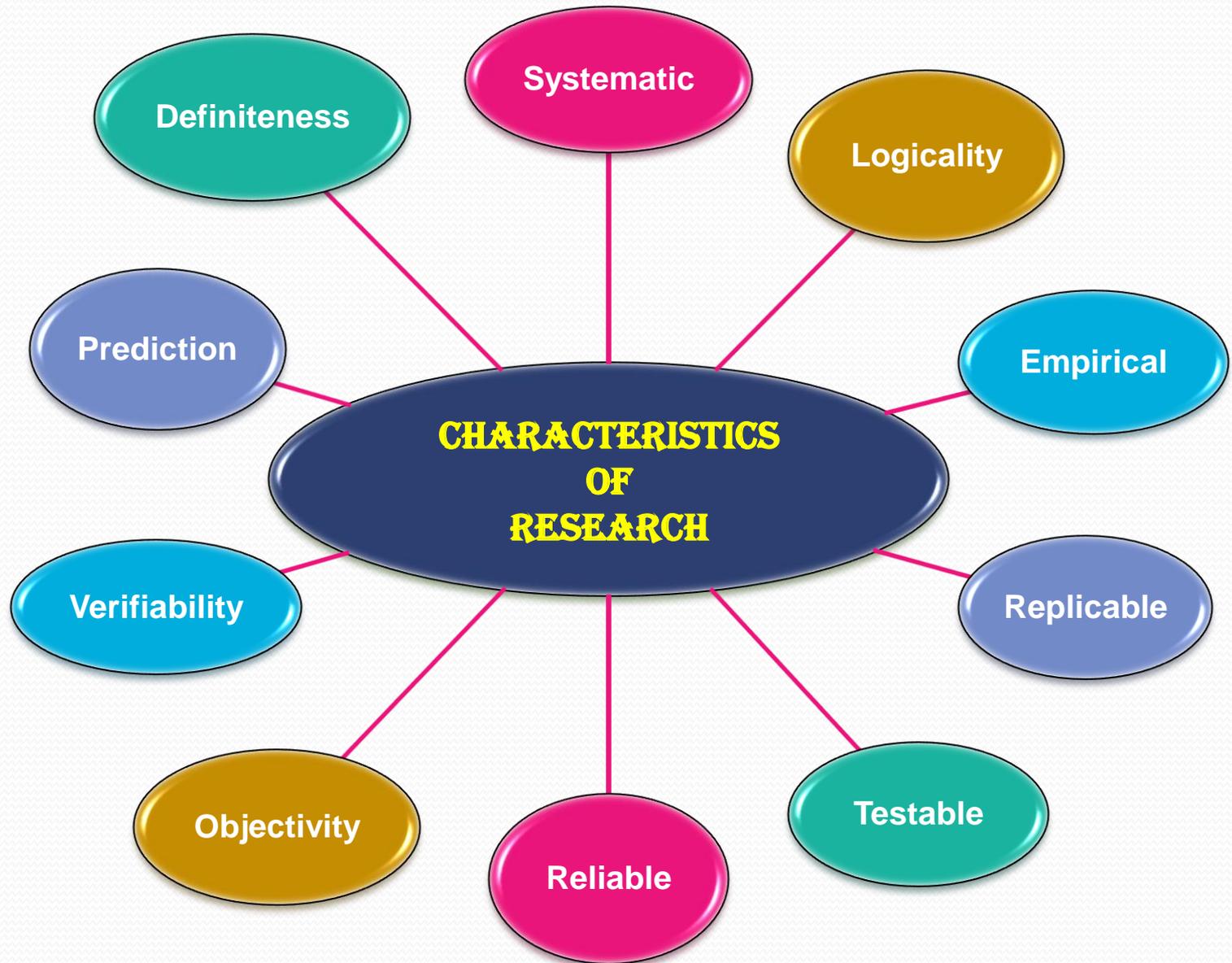
सामाजिक अनुसन्धान के उद्देश्य (Objectives of Social Research)

- ❖ पूर्व में किये गये अनुसन्धान/अध्ययन की वैधता को जानना।
- ❖ अनुसन्धान द्वारा वस्तुनिष्ठ अध्ययन से वास्तविक स्थिति को प्रकट करना।
- ❖ वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर जाँच एवं सत्यता का मार्ग प्रशस्त करना।
- ❖ सामाजिक घटनाओं के क्रमबद्ध अध्ययन से सामाजिक समस्याओं पर नियंत्रण स्थापित करना।
- ❖ तथ्यों के परीक्षणों के आधार पर बिना किसी पूर्वाग्रह के निष्कर्ष की प्राप्ति करना।
- ❖ सामाजिक अनुसन्धान से तर्कपूर्ण अनुसन्धान एवं आधुनिकता में समन्वय स्थापित करना।
- ❖ सामाजिक घटनाओं को वैज्ञानिक पुट प्रदान करना।
- ❖ सामाजिक अनुसन्धान से अन्तिम अनुशासनात्मक विषयों की गतिशील मूल्यों की प्राप्ति करना।
- ❖ ज्ञान के क्षेत्र का विस्तार करना।

- ❖ अनुसन्धान मनुष्य के सामाजिक जीवन और पर्यावरण के ज्ञान में वृद्धि करना ।
- ❖ अनुसन्धान समाजीकरण के साथ ही सिद्धान्त निर्माण एवं अवधारणा को विकसित करना ।
- ❖ अनुसन्धान का उद्देश्य चरों के मध्य अन्तःसम्बन्ध के कारणों का पता कर विश्लेषण करना ।
- ❖ अनुसन्धान तर्कसंगत निर्णय एवं नीतियों के निर्माण में सहायक ।
- ❖ सामाजिक अनुसन्धान से केन्द्रीय पद्धति के आधार पर शोध की गुणवत्ता एवं सकारात्मक मूल्यों की प्राप्ति करना ।
- ❖ भविष्य के बारे में आकलन करना ।
- ❖ अनुसन्धान से प्राप्त ज्ञान द्वारा नवीन सिद्धांत का निर्माण एवं व्यवहारिक अनुसन्धान की प्रक्रियाओं की स्थापना करना ।

सामाजिक अनुसन्धान का महत्व (Importance of Social Research)

- ❖ सामाजिक अनुसन्धान नय ज्ञान को उपलब्ध कराकर हमारे वर्तमान ज्ञान के भण्डार में वृद्धि करता है।
- ❖ सामाजिक अनुसन्धान वर्तमान ज्ञान में से अशुद्ध, अविश्वसनीय, भ्रान्त, दोषपूर्ण व्यक्ति केन्द्रित तथा बुद्धि विपरीत अंधविश्वासों, बातों, प्रकरणों आदि को दूर करने का कार्य करता है।
- ❖ ज्ञान के नवीन क्षेत्रों में प्रवेश करने तथा वास्तविकता का पता लगाने के लिय प्रेरित करता है।
- ❖ यह ज्ञान संबंधी तथ्य एवं आंकड़ें प्रदान करता है, जिससे विश्लेषण करके निष्कर्ष पर पहुंचते हैं।
- ❖ यह ज्ञान को व्यापक, समग्र या सांगोपाग बनाने के लिए समाज विज्ञानों के सभी विषयों की ओर ले जाता है।
- ❖ यह एक विषय या अनुसन्धान तक सीमित न होकर अन्तवैषयिक या अंतर्नुशासन विषय के रूप में परिलक्षित होता है।



एक अच्छी अनुसन्धान की गुणवत्ता (Qualities of a Good Research)

- ❖ सामाजिक परिवेश में व्याप्त समस्याओं को नियन्त्रण स्थापित किया जा सकता है।
- ❖ यह नये प्रश्न उत्पन्न करता है तथा प्रकृति में चक्रीय ध्रुव के रूप में कार्य करता है।
- ❖ तार्किक तर्क पर आधारित होने के कारण सिद्धान्त या अवधारणा के निर्माण में सहायक सिद्ध होता है।
- ❖ योजनाबद्ध तरीके से अनुसन्धान अभिकल्प एवं क्रियाशील प्रक्रिया।
- ❖ व्यापक वि”लेशण के साथ ही परिणाम तथा निष्कर्ष भी सत्यतता और परीक्षण योग्य होते हैं।
- ❖ अनुसन्धान में स्पष्ट रूप से विस्तृत प्रतिवेदन के निर्माण में सहायक
- ❖ अनुसन्धान प्रक्रिया विवरणारत्मक एवं उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक होता है।
- ❖ मागदर्शक के रूप में कार्य करता है।
- ❖ व्याख्या करने की क्षमता का निर्माण करता है।
- ❖ सामाजिक मूल्यों में उच्च नैतिक मापदण्डों के आधार पर व्याख्या तथा वि”लेशण।



Thank You!

